अमेठी ग्रामोद्योग सेवा समिति द्वारा किये गये सामुदायिक विकास (माडल कृषि) परियोजना का अन्तिम मूल्यांकन

सौजन्य से

लोक कार्यक्रम एवं ग्रामीण प्रौद्योगिकी विकास परिषद, लखनऊ
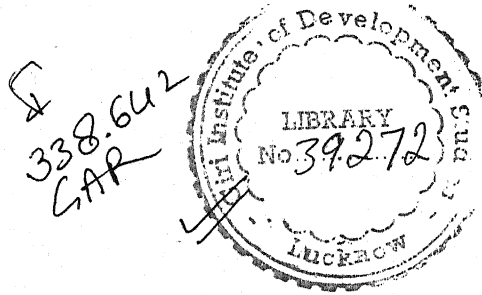
मूल्यांकन कर्त्ता
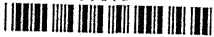
डा0 प्रताप सिंह गढ़िया

गिरि विकास अध्ययन संस्थान, लखनऊ

2006

अमेठी ग्रामोद्योग सेवा समिति द्वारा किये गये सामुदायिक विकास (माडल कृषि) परियोजना का अन्तिम मूल्यांकन

अमेठी ग्रामोद्योग सेवा समिति द्वारा सामुदायिक विकास परियोजना का संचालन कपार्ट व स्थानीय लोगों की सहायता से किया गया। सामुदायिक विकास परियोजना का मुख्य उद्देश्य – कृषि उत्पादकता में वृद्धि, नकद फसलों के उत्पादन को प्रोत्साहन, भूमिगत जलस्तर को बनाये रखना, ग्रामीण लोगों को शुद्ध जल उपलब्ध कराना तथा पर्यावरण की सुरक्षा को प्रोत्साहित करना रहा है। कुल मिलाकर परियोजना का लक्ष्य आय व रोजगार का सृजन करना रहा है। अमेठी ग्रामोद्योग सेवा समिति उपरोक्त परियोजना के क्रियान्वयन में कितनी सफल रही हैं। कार्यक्रमों का संचालन कपार्ट के दिशा निर्देशों के अनुसार हुआ है या नहीं? कार्यक्रमों का क्षेत्र में क्या असर पड़ा? आदि का मूल्यांकन कार्य कपार्ट द्वारा गिरि विकास अध्ययन संस्थान, लखनऊ को दिया गया है। गिरि विकास अध्ययन संस्थान द्वारा किये गये अन्तिम मूल्यांकन का विवरण निम्नवत है।

1 अमेठी ग्रामोद्योग सेवा समिति के सम्बन्ध में जानकारी :

अमेठी ग्रामोद्योग सेवा समिति जिसका पंजीकरण न0 10297 है, का पंजीकरण दिनांक 28.07.1990 को हुआ था और समिति का नवीनीकरण 27.07.2005 को अगले पांच वर्षों के लिए किया गया है। समिति का कार्यालय अमेठी कस्बे के रामलीला मैदान के पास है। समिति के कार्यालय में कपार्ट सहायता से चलाये जा रहे परियोजना का बोर्ड लगा है। समिति कार्यालय में अध्यक्ष के अलावा लेखाकार, पर्यवेक्षक व चालक कार्यरत है। समिति के अध्यक्ष डा0 नरेन्द्र कुमार, एन0 ए0, एल0एल0बी0 तथा पी0 एच0 डी0 उपाधिधारक हैं। डा0 मिश्रा ने अवगत कराया कि वकालत के साथ–2 सामाजिक कार्यों के माध्यम से राजनीति में जाना लक्ष्य बनाया है। समिति से अन्य बुद्धिजीवी भी जुड़े हैं। वर्तमान में समिति की कार्यकारिणी निम्नवत है:

1. अध्यक्ष – डा0 नरेन्द्र कुमार मिश्रा
2. सचिव – श्री श्रीराम जायसवाल
3. कोषाध्यक्ष – श्री राजमणि
4. सदस्य – डा0 लाजो पाण्डे, श्रीमती नीलम व श्रीमती उर्मिला।

समिति के खाते का संचालन अध्यक्ष व कोषाध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षरों से किया जाता है। वर्तमान में समिति का बचत खाता इलाहाबाद बैंक शाखा, अमेठी में खुला है जिसका खाता नम्बर 1447 है। समिति के वित्तीय कागजातों जैसे बिल बुक, कैश बुक, लेजर व आडिट सम्बन्धी कार्यों

का करने के लिए लेखाकार नियुक्त किया है। मूल्यांकन के समय समिति के पंजीकरण प्रमाण पत्र व आय–व्यय सम्बन्धी प्रमाण मूल्यांकनकर्ता को दिखाये और सही पाये गये।

2. <u>परियोजना का कार्यक्षेत्र</u> :

अमेठी ग्रामोद्योग सेवा समिति ने सामुदायिक विकास परियोजना का संचालन संग्रामपुर विकास खण्ड के सोनारी कनू गांव में किया था। सोनारी कनू गांव में दस (बलखारी, घिसियान कन्दई, पाण्ड पुरवा, पूरे गग्गन, चौबे पुरवा, तिवारी पुरवा, मिश्रिरपुर, पूरेमनबोध, पूरे शुक्लान, गड़रियन का पुरवा तथा पूरे श्रीचरन) पुरवे हैं। यह गांव अमेठी तहसील से 15 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। अमठो ग्रामाद्योग सेवा समिति द्वारा किये गये सर्वेक्षण क अनुसार सोनारी कनू गांव की कुल जनसंख्या 4854 है जो 478 परिवारों में बंटी है। जातिवार देखने पर 219 परिवार पिछड़ी जाति, 128 परिवार अल्पसख्यक 70 परिवार अनुसूचित जाति तथा 61 परिवार सामान्य जाति क हैं। अधिकतर परिवारों का मुख्य व्यवसाय कृषि, कृषि मजदूरी व अन्य मजदूरी है मात्र एक परिवार हस्तकला उद्योग स अपनी जीविका अर्जित कर रहा है।

3. <u>परियोजना लाभार्थियों की चयन प्रक्रिया</u> :

दिनाक 27.07.2003 को कपार्ट से धनराशि स्वीकृत होने पर समिति ने जहां एक ओर पर्ची पोस्टर छपाकर परियोजना का प्रचार–प्रसार किया वहीं दूसरी ओर गाव में बैठकें की गयी। गाव में सर्वप्रथम स्वय सहायता समूह बनाने का प्रयास किया समिति के अध्यक्ष के अनुसार समिति ने कुल छ समूह बनाये प्रत्येक समूह म 10–12 परिवारों को शमिल किया गया। प्रत्येक समूह से एक सदस्य जो जागरूक व पढा लिखा था उसको ग्रुप लीडर बनाया गया। एक समूह में उन्हीं लाभार्थियों को लिया गया जिनकी जमीन एक साथ थी। सभी जिज्ञासु व आवश्यकता वाले लाभार्थियों को जागरूक कर समिति ने सोनारी कनू गाव में परियोजना की देखभाल व सही संचालन कि लिए कृषि शोध सहायक व पर्यवेक्षक की नियुक्ति की थी।

4. <u>परियोजना का वित्तीय प्रबन्ध</u> :

कपार्ट के द्वारा दिनाक 27.07.2003 कुल 542960 रूपये की स्वीकृति प्रदान की थी जिस धनराशि का भुगतान समिति को दो किश्तों में किया गया जिसमें प्रत्येक किश्त की धनराशि 271480 रूपया थी। समिति ने कपार्ट की सहायता के अलावा नलकूप, स्प्रे मशीन, आम व पापुलर वृक्षारोपण आदि कार्यो के निर्वहन के लिए 171370 रूपये का सहयोग स्थानीय लोगों से भी प्राप्त किया है। अमेठी ग्रामोद्योग समिति के आय–व्यय विवरण का तालिका संख्या–1 में दर्शाया गया है।

तालिका सख्या–1 अमेठी ग्रामोद्योग सेवा समिति द्वारा कराये गये विभिन्न कार्यों में किये गये व्यय का विवरण।

क्र सं0	कार्य का विवरण	कपार्ट सहायता	स्थानीय योगदान	कपार्ट द्वारा कुल अनुमानित स्वीकृत बजट	लक्ष्य उपलब्धि
1	समूह नलकूपों का निर्माण	288000	171370	369640	100%
2	6 इण्डिया मार्क II हैण्डपम्पों	86400	—	110110	100%
3	2तालाबों की खुदाई एवं सफाई	115200	—	155240	100%
4	आम व पापुलर वृक्षों का रोपण				
	(अ) आम के 200 वृक्ष	2400	—	3440	100%
	(ब) पापुलर के 200 वृक्ष	1600	—	2540	100%
5	7 स्प्रे मशीनों की खरीद	—	—	24000	100%
6	प्रशासनिक व्यय	49360	—	49360	100%
	कुल व्यय	542960	171370	714330	100%

5. परियोजना क्रियान्वयन व परियोजना लाभार्थी :

जैसा कि सस्था के अध्यक्ष डा0 नरेन्द्र कुमार मिश्रा ने अवगत कराया कि नलकूपों की स्थापना के लिए नलकूप विभाग से सम्पर्क कर सलाह ली गयी और बोरिंग के लिए टेक्नीशियन मिस्त्री की सहायता ली गयी। गाव के 10–12 लोगों के (एक समूह) जमीनों के पास एक नलकूप स्थापित किया गया। कुल मिलाकर 06 नलकूप छः समूहों के जमीन के पास स्थापित किये गये। यदि हम जातिवार देखे तो नलकूपों को स्थापित करने से 63.38 प्रतिशत सामान्य जाति, 25.35 पिछड़ी जाति तथा 9.86 प्रतिशत अनुसूचित जाति तथा 1.40 प्रतिशत अल्पसख्यक समुदाय के कृषक लाभान्वित हुए (तालिका सख्या– 02)। जहा तक हैण्ड पम्प मार्क–2 तथा तालाब का प्रश्न है जिस पुरवे मे ये स्थापित किये गये है वहा के लाभार्थी इनका लाभ उठा रहे है। आम व पापुलर वृक्षों का वितरण समूहों को किया गया। स्प्रे मशीन भी समूह को दिये गये जिन्होंने आम व पापुलर के वृक्ष लगाये और उनसे यह आशा की गयी कि ये कृषक अन्य कृषकों को भी इन्हे उपयोग मे लाने देंगे। सामुदायिक विकास परियोजना के माध्यम से सचालित नलकूपों से लाभान्वित हुए कृषकों की सूची निम्नवत है।

तालिका –02 सामूहिक सिंचाई परियोजना से लाभान्वित हुए लाभार्थी

क्र स0	जाति	कुल सख्या	पुरूष	स्त्री
1.	सामान्य	45 (63.38)	42	03
2.	पिछड़ी जाति	18 (25.35)	18	—
3.	अनुसूचित जाति	07 (9.86)	07	—
4.	मुस्लिम	01 (1.41)	01	—
	कुल	71 (100.00)	68	03

सामुदायिक सिंचाई (नलकूप) परियोजना के लाभार्थियों की सूची

ग्राम -- सोनारी कनू, विकास खण्ड–संग्रामपुर (अमेठी) जिला सुल्तानपुर

क्र सं0	नाम	पिता / पति का नाम	जाति	साक्षात्कार लिये गये लाभार्थी
1.	राजेन्द्र सिंह	बिन्देश्वरी	सामान्य	✓
2.	उमाशंकर	रामबोध	सामान्य	✓
3	शिवकुमार	अहोरे प्रसाद	सामान्य	
4.	छोटेलाल	जगन्नाथ	सामान्य	
5.	नारायन	मालू राम	सामान्य	✓
6.	राजअचल	राममूर्ति	सामान्य	
7.	राहूजा	रामसुख	सामान्य	
8.	रामसेवक	कालीचरण	सामान्य	
9.	राधे श्याम	बेनी माधव	सामान्य	
10.	उदयराज	राम निवाज	सामान्य	
11.	वीरेन्द्र	सियाराम	सामान्य	
12.	चन्द्रभान	सुरेश	सामान्य	✓
13.	करामत	दारगाही	मुस्लिम	
14	राम किशोर	भगवानदीन	अनुसूचित जाति	✓
15	सीताराम	झगरू	पिछड़ी जाति	
16.	कान्ता प्रसाद	महाराजदीन	पिछडी जाति	✓
17.	दुर्गा	नथई	पिछडी जाति	
18.	शिव चरन	लक्ष्मण	सामान्य	✓
19.	रामसुख	शिव बरन	सामान्य	
20.	दशरथ	शिव बरन	सामान्य	
21.	विश्वनाथ	लालता प्रसाद	सामान्य	
22.	राम नारायण	रामयश	सामान्य	
23.	शिव प्रसाद	बिन्देश्वरी	सामान्य	
24.	राम प्रताप	शारदा प्रसाद	सामान्य	
25	कलिका	दातादीन	सामान्य	✓
26.	राज नारायण	रामसुख	सामान्य	
27.	विजय बहादुर	रामसुन्दर	सामान्य	
28.	लालमणि	रामाधार	सामान्य	
29.	रामदीन	नोहरी	पिछड़ी जाति	
30.	जगन्नाथ	भगवती	पिछड़ी जाति	✓
31.	मथुरा प्रसाद	धनई	पिछडी जाति	
32.	रामाधार	रामचन्द	सामान्य	
33.	कामता प्रसाद	वासुदेव	सामान्य	
34.	चन्द्रा बलि	महावीर	सामान्य	
35.	श्रीमती फूलाबाई	पत्नी लाल बहादुर	सामान्य	
36.	श्रीमती कल्लू देवी	पत्नी शोभनाथ	सामान्य	✓
37.	विजय पाल	लशीनाथ	सामान्य	
38.	बलिभद्र	सुरेश	सामान्य	

39	छाटेलाल	रघुनाथ	सामन्य	
40.	बाबूलाल	भगवती दीन	पिछड़ी जाति	
41.	रामाकान्त	दूधनाथ	सामन्य	
42.	गगादीन	कालू	पिछड़ी जाति	
43.	साहेबदीन	रामेश्वर	पिछड़ी जाति	
44.	विश्वनाथ	गिरवर	सामन्य	
45.	रामसेवक	कालीचरन	सामन्य	
46.	राम अचल	राममूरत	सामन्य	✓
47.	श्रीमती नारायन देवी	पत्नी (स्व0)मालूराम	सामन्य	
48.	राम सतन	फरई	अनुसूचित जाति	
49.	राम स्वरूप	विशाल	अनुसूचित जाति	
50.	राम सुमेर	शिवराज	अनुसूचित जाति	✓
51.	बुद्धराम	मंगल	अनुसूचित जाति	
52.	भुलई	शिवराज	अनुसूचित जाति	✓
53.	शकर	जगराज	अनुसूचित जाति	
54.	सेवेशकुमार	कमलेश नारायन	सामन्य	
55.	राम अभिलाष	रामलखन	पिछड़ी जाति	
56.	राजदेव	रामलखन	पिछड़ी जाति	
57.	सुरेश नारायन	स्वामीनाथ	सामन्य	
58.	ओम प्रकाश	रामेश्वर	सामन्य	
59.	कुन्देश कुमार	कमलेश नारायन	सामन्य	
60.	रामलखन	छितानू	पिछड़ी जाति	✓
61.	कादेदीन	रामस्वरूप	पिछड़ी जाति	
62.	जगमाहन	विशेश्र	पिछड़ी जाति	
63.	राजाराम	रामफेर	पिछड़ी जाति	
64.	देवीप्रसाद	पारसनाथ	सामन्य	
65.	सुनील कुमार	कन्हैयालाल	सामन्य	
66	कृपा शकर	भुवनेश्वर	सामन्य	✓
67	प्रेम शंकर	रामपति	सामन्य	
68.	राम चन्द्र	रामअवध	सामन्य	
69	सिया राम	रामअजोर	सामन्य	
70.	जमुना	रामसुमेर	पिछड़ी जाति	✓
71	श्रीराम	रामहरख	पिछड़ी जाति	

6. अमेठी ग्रामोद्योग द्वारा चलाये गये सामुदायिक विकास परियोजना का प्रभाव :

समिति द्वारा चलाये गये सामुदायिक विकास परियोजना का प्रभाव जानने के लिए संस्था द्वारा प्रदत्त सूची से लाभार्थियों का नाम पुकारा गया और उन्हीं लाभार्थियों का साक्षात्कार लिया गया। इसके साथ 2 समिति के प्रबन्ध कार्यकारिणी के सदस्यों से भी मूल्यांकन कर्त्ता ने परियोजना के प्रभाव के सम्बन्ध में जानकारी ली। इसके साथ संस्था द्वारा की गयी फोटोग्राफी भी देखी गयी कुछ फोटोग्राफ संलग्न है।

नलकूप से सिचाई करने वाले लाभार्थियों से ज्ञात हुआ कि 15–20 वर्ष पूर्व गांव में राजकीय नलकूप ही सिचाई का एक मात्र साधन था लेकिन 3–4 वर्षों मे ही राजकीय नलकूप से खारा पानी आने लगा जिस कारण कृषकों की जमीन में रेह (लवणता) पैदा होने लगी परिणाम स्वरूप कृषकों ने राजकीय नलकूप से सिचाई बन्द कर दी। राजकीय नलकूप बन्द होने के बाद गांव के कुछ कृषक निजी नलकूप वाले कृषकों से सहायता लेने लगे लेकिन अधिकतर किसान मानसून पर निर्भर रहने लगे। विगत वर्ष समिति द्वारा समूह नलकूप लगाने से नकदी फसलों विशेषकर सब्जियों, उड़द व सनई को उगाने से कृषक सफल हुए है। नकद फसलों के साथ–साथ कृषकों द्वारा की जाने वाली पारम्परिक फसलो का उत्पादन भी 3–4 गुना बढ़ गया है जो किसान मात्र खाने के लिए उत्पादन कर रहे थे वे वर्तमान में अनाज व सब्जियों की बिक्री करने लगे हैं।

गाव में तालाबों की सफाई व गहराई बढ़ाने से भूमिगत जल स्तर को बनाये रखने के साथ लोगों को जानवरों को पानी पिलाने, सनई को भिगोकर उसकी छाल निकालकर रस्सी बनाने आदि चीजों का लाभ हो रहा है। ग्रामवासियों ने अवगत कराया कि हैण्डपम्प गांव के लिए वरदान है क्योंकि पहले ग्रामवासी कुओं से पानी पीते थे अब गांव में उपलब्ध सभी कुंए सूख गये हैं मात्र हैण्डपम्प ही जायदातर लोगों के पेयजल के साधन हैं। साक्षात्कार के समय मूल्यांकनकर्त्ता को ग्रामवासियों ने अवगत कराया कि इण्डिया मार्क–II के अलावा गांव में अन्य हैण्डपम्प सफल नहीं है क्योंकि भूमिगत जल स्तर नीचा हो गया है। हैण्डपम्प से पेयजल उपलब्ध होने से महिलाओं के कार्य बोझ में कमी आयी है क्योंकि गांव की अधिकतर महिलायें ही घरों में दूर से पानी लाती हैं। जहा तक आम व पापुलर के वृक्षों का प्रश्न है, पौधे जमीन में दीमक होने से सही तरीके से उग नहीं पाये मात्र 25% पौधे ही जीवित रहने की बात लाभार्थियों ने बताई। पौधों के जीवित न रहने का कारण रासायनिक घोल व सिचाई न करना बताया गया ।

7. **परिसम्पत्तियों की गुणवत्ता व रख–रखाव :**

मूल्यांकन कर्त्ता को क्षत्रीय सर्वेक्षण के समय संस्था के अध्यक्ष व अन्य लाभार्थियों द्वारा दिखाये गये नलकूप (सभी डीजल चालित) हैण्डपम्प व तालाब ठीक–ठाक पाये गये एक नलकूप में पी० सी० ओ० चलता भी पाया गया । पी०सी०ओ० वाले ने बताया कि एक पन्थ दो काज हो रहे हैं जैसा कि पूर्व में कहा गया है कि नलकूपों का वितरण समूह में किया गया है। समूह का मुखिया नलकूप के रख–रखाव का कार्य कर रहे है। डीजल का खर्च निकालने के बाद जो लाभ होता है वही धनराशि रख–रखाव में लगती है। गांव में लगाये गये हैण्ड पम्पों को ग्राम प्रधान को सौंपा गया है। ग्राम प्रधान जलनिगम की सहायता से हैण्डपम्पों की देखभाल करेंगे। तालाब ग्राम समाज की जमीन पर है उनका रख–रखाव भी ग्राम प्रधान ही करेंगे।

8. <u>सामुदायिक विकास परियोजना के माध्यम से किये गये कार्यों की बने रहने की सम्भावना</u> :

यद्यपि ग्रामोद्योग सेवा समिति द्वारा किये गये सामुदायिक विकास परियोजना का कार्य 10.07.2005 को पूरा हो गया था लेकिन समिति के अध्यक्ष की सक्रीयता व परियोजना से सृजित परिसम्पत्तियों का स्वामित्व समूह के मुखियाओं व ग्राम प्रधान का होने से कार्यक्रमों की निरन्तरता बने रहने की सम्भावना है। समिति द्वारा स्थापित नलकूपों, हैण्डपम्पों व तालाबों से ग्रामवासी लाभ लेते रहेंगे। समिति के अध्यक्ष का भी कहना है कि वे स्वय समय–2 पर कार्यक्रमों की निगरानी (फालोअप) करने का प्रयास करेंगे।

कुल मिलाकर अमेठी ग्रामोद्योग सेवा समिति द्वारा चलाये गये सामुदायिक विकास परियोजना से जहां एक ओर किसानों की उत्पादकता में वृद्धि, फसल चक्र में बदलाव, शुद्ध पेयजल की उपलब्धता को सुलभ कराने में समिति सफल रही है, और अपने निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त किया है वहीं दूसरी ओर इसी प्रकार के कार्यक्रम क्षेत्र के अन्य गावों में भी चलाने की सम्भावना को नकारा नहीं जा सकता है क्योंकि कृषि क्षेत्र में अभी विकास की सम्भावनायें विद्यमान है। सहमत हो तो समिति की पत्रावली निक्षपित की जा सकती है।